खबर संक्षेप

चित्रकूट में बकरी लूट कांड में बोलेरो समेत मुख्य सहयोगी गिरफ्तार

सतना। मझगवां थाना क्षेत्र के बरहठा के जंगल में बीते 3 फरवरी को हुई बकरी लूट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घटना के मुख्य सहयोगी मनोज कुमार निवासी शंकरगढ़ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई बोलेरो UP70BE2180 को भी जब्त कर लिया है। पकड़े गए आरोपी मनोज कुमार,जो कि वाहन का मालिक और चालक दोनों है,को मझगवां पुलिस ने न्यायालय में पेश किया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

अमरपाटन में अज्ञात कार की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

सतना। ताला थाना क्षेत्र के ग्राम पठरा के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 30 वर्षीय महिला की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 9 बजे एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने मोटर साइकिल सवार दंपति को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में जानकी शर्मा पति ओम प्रकाश शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गईं। पति द्वारा उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल अमरपाटन लाया गया,लेकिन उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना ताला थाना क्षेत्र की होने के कारण अमरपाटन पुलिस ने संबंधित थाने को सूचना दे दी है। मृतिका का पति मर्ग कायम कराने थाने पहुँचा है,वहीं पुलिस अज्ञात कार चालक की तलाश में जुट गई है।

नागौद में घर के बाहर खड़ी कार में तोड़फोड़ चोरी का प्रयास

सतना। जिले के नागौद थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 में बीती रात बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। यहाँ घर के बाहर खड़ी एक चार पहिया वाहन में अज्ञात बदमाशों ने तोड़फोड़ की। बताया जा रहा है कि एक अन्य कार से आए बदमाशों ने वाहन को चोरी करने का प्रयास किया था,लेकिन सफल न होने पर उन्होंने वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। पीडित ने इस संबंध में नागौद थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

मैहर रेलवे स्टेशन पर पुलिस आरक्षक और ऑटो चालक के बीच भिड़ंत

मैहर। मैहर रेलवे स्टेशन परिसर में मंगलवार सुबह उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई,जब रामनगर थाने में पदस्थ आरक्षक हृदेश जाटव और एक ऑटो चालक के बीच तीखी झड़प हो गई। मिली जानकारी के अनुसार,आरक्षक सिविल ड्रेस में ट्रेन से उतरे थे। ऑटो चालक ने उन्हें साधारण यात्री समझकर मंदिर चलने के लिए ऑटो में बैठाने का प्रयास किया,जिस पर आरक्षक ने कथित तौर पर गाली-गलौज कर दी। विवाद बढ़ता देख मौके पर हंगामा शुरू हो गया। सूचना मिलने पर डायल 100 की टीम मौके पर पहुंची और कुछ ऑटो चालकों को हिरासत में लिया है। हैरानी की बात यह रही कि स्टेशन परिसर के भीतर हुई इस बड़ी घटना की जानकारी जीआरपी पुलिस को काफी देर तक नहीं मिल सकी।

तहसील न्यायालय में तहसीलदार और अधिवक्ता के बीच तीखी नोकझोंक, घंटों तक मचा बवाल

सतना। जिला मुख्यालय के रघुराजनगर तहसील कार्यालय में मंगलवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया,जब एक अदालती कार्यवाही के दौरान तहसीलदार और अधिवक्ता के बीच विवाद हो गया। बहस इतनी बढ़ी कि बात धरने और पुलिस तक जा पहुंची। अंततः प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

विवाद की जड़ः स्थगन आदेश पर असहमति
जानकारी के मुताबिक,अधिवक्ता हरीश द्विवेदी 'कौशल प्रसाद बनाम राजकुमार व अन्य' के मामले में आवेदन लेकर तहसीलदार सौरभ मिश्रा के न्यायालय पहुंचे थे। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता ने स्थगन (स्टे) आदेश की मांग की,जिसे तहसीलदार ने सहखातेदार का मामला बताते हुए खारिज कर दिया। जब अधिवक्ता ने कानूनी पहलुओं का हवाला देकर आपत्ति जताई,तो तहसीलदार ने उनके वकालत के अनुभव पर सवाल उठा दिए। यही बात विवाद का मुख्य कारण बनी और दोनों पक्षों में तीखी बहस शुरू हो गई।

छावनी में तब्दील हुई तहसील,वकीलों का प्रदर्शन

विवाद बढ़ते ही तहसील कर्मचारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से कार्यालय के गेट बंद कर दिए और पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में अधिवक्ता साथी के समर्थन में सिटी कोतवाली पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। दूसरी ओर,तहसीलदार के समर्थन में राजस्व विभाग के लिपिक और पटवारी भी लामबंद होकर कोतवाली पहुंच गए,जिससे परिसर में भारी तनाव की स्थिति निर्मित हो गई।

बंद कमरे में सुलह और पटाक्षेप

हंगामे की सूचना मिलते ही एसडीएम सिटी राहुल सिलडिया और सीएसपी देवेंद्र सिंह चौहान मौके पर पहुंचे।अधिकारियों ने दोनों पक्षों को शांत कराया और बंद कमरे में लंबी वार्ता की। लगभग 45 मिनट की मशक्कत के बाद दोनों पक्ष आपसी सहमति से विवाद खत्म करने पर राजी हुए। प्रशासनिक अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में इस तरह की अप्रिय स्थिति पुनरावृत्त नहीं होगी।

लव जिहाद के खिलाफ जनाक्रोशः सृष्टि और फरदीन के विवाह आवेदन पर सर्व समाज का कड़ा विरोध

सतना। शहर में धर्मान्तरण और विवादित विवाह के एक मामले ने तूल पकड़ लिया है। सृष्टि ताम्रकार और फरदीन अहमद द्वारा विशेष विवाह अधिनियम के तहत दिए गए विवाह आवेदन के विरोध में आज पूरा सर्वसमाज सड़कों पर उतर आया। विभिन्न सामाजिक और हिंदू संगठनों ने एडीएम विकास सिंह और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर इस विवाह को रोकने और युवती को 'बचाने' की पुरजोर मांग की है।

नाबालिग अवस्था में शोषण का आरोप

ज्ञापन में सर्वसमाज ने प्रशासन को अवगत कराया कि यह केवल प्रेम विवाह का मामला नहीं है,बल्कि इसके पीछे एक गंभीर आपराधिक इतिहास है। फरदीन अहमद के विरुद्ध पूर्व में सृष्टि ताम्रकार ने ही नाबालिग रहते हुए शारीरिक शोषण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना मढ़ाताल जबलपुर में अपराध क्रमांक 785/2024 के तहत मामला दर्ज है।आरोपी पर धारा 87,96, 64, 64(2)(M) सहित पॉक्सो एक्ट और मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धाराओं के तहत मुकदमा चल रहा है।

कोर्ट में केस लंबित, फिर भी विवाह की अर्जी

प्रदर्शनकारियों ने आपत्ति जताई है कि जब मामला वर्तमान में जिला न्यायालय जबलपुर में विचाराधीन है,तो ऐसी स्थिति में 29 अगस्त 2025 को विशेष विवाह अधिनियम के तहत आवेदन देना कानून के साथ खिलवाड़ है। इस आवेदन पर आगामी पेशी 6 मार्च को होनी है,जिससे पहले समाज ने अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज करा दी है।

इन संगठनों ने दर्ज कराया विरोध

इस विरोध प्रदर्शन में किसी एक समाज ने नहीं,बल्कि पूरे शहर के संगठनों ने एकजुटता दिखाई। मुख्य रूप से वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल,ताम्रकार समाज (सतना,उचेहरा,रीवा,अमरपाटन,मैहर,नागौद) बंगाली कल्याण समाज,अग्रवाल महा सभा और जायसवाल समाज सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से मणिकांत महेश्वरी,विक्रम चौधरी,राजबहादुर मिश्रा और सृष्टि की माँ मंजू ताम्रकार सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित थीं।समाज के प्रबुद्ध जनों ने स्पष्ट किया कि वे किसी भी कीमत पर अपनी बेटी के साथ हो रहे इस अन्याय और सुनियोजित धर्मान्तरण के प्रयास को सफल नहीं होने देंगे। एडीएम विकास सिंह ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उचित वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

27 किलो गांजा, 221 शीशी प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

मैहर। मैहर पुलिस ने गांजा और कफ सिरप के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी और उनकी टीम के द्वारा की गई कार्यवाही में उपयोग की गई भी जप्त की गई है। एएसपी डॉ. चंचल नागर ने प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया गया कि थाना कोतवाली मैहर पुलिस को मुखबिर के द्वारा सूचना के आधार पर रेड कार्यवाही की गई।जिसमें पुलिस टीम के द्वारा रामवन पथ गमन रोड,जीतनगर मोड़ की पुल के नीचे सर्विस रोड पर घेराबंदी कर काले रंग की डस्टर कार क्रमांक एमपी 19सीसी 3342 को रोगा गया। रोकने के बाद कार में सवार 3 व्यक्तियों की तलाशी लेने पर वाहन की डिग्गी से लगभग 4,10,000 की कीमत का कुल 27.200 किलोग्राम अवैध गांजा एवं 221 शीशी कोडीन फास्फेटयुक्त प्रतिबंधित ऑनरेक्स कप सिरप जिसकी कीमत लगभग 65,000 है बरामद की गई। इसकी मौके पर विधिवत पंचानामा कार्यवाही कर मादक पदार्थ,कफ सिरप एवं प्रयुक्त डस्टर कार की कीमत 8,00,000 रुपए जब्त की गई वहीं आरोपियों के विरुद्ध धारा 8,20,21,22,29 एनडीपीएस एक्ट एवं 5/13 मं.प्र.ड्रग कंट्रोल अधिनियम के तहत अपराध पंजीबंद्ध कर उन्हें गिरफ्तार किया। इस प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही जारी है। एएसपी के द्वारा बताया गया कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी सुरेन्द्र निवासी ग्राम खैरा थाना कोतवाली मैहर के विरूद्ध पूर्व में थाना मैहर एवं सिविल लाइन सतना में जुआं एक्ट,आबकारी एक्ट,आम्र्स एक्ट,एनडीपीएस एक्ट सहित कई विभिन्न प्रकरण दर्ज है। इसी के साथ अंकुश जायसवाल निवासी पोड़ी थाना नागौद जिला सतना एवं अमन कुश्वाहा उर्फ अंकुश निवासी ग्राम पोड़ी थाना कोतवाली मैहर पकड़ें गए है। यह भी जानकारी दी गई कि मैहर जिले में नशें के सौदागरों एवं अवैध गतिविधियों में संलि' व्यक्तियों के विरूद्ध भविष्य में इसी प्रकार की कड़ी प्रभावी कार्यवाही की जाएगी।

बरौंधा में अधेड़ ने जंगल में फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

बरौंधा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक हृदय विदारक घटना सामने आई है,जहाँ एक अधेड़ व्यक्ति ने जंगल में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार,बरौंधा निवासी एक अधेड़ का शव गांव के समीप स्थित जंगल में पेड़ से लटका पाया गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों द्वारा शव देखे जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। तत्काल इसकी सूचना बरौंधा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को अपने कब्जे में लिया। मृतक की पहचान कल्लू डोमर पिता गुदरा डोमर,निवासी बरौंधा के रूप में हुई है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। बरौंधा थाना पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शव का पंचनामा तैयार कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। परिजनों और ग्रामीणों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

मैहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित करना पहली प्राथमिकताः अग्रवाल

मैहर। मैहर में प्रशासनिक बदलाव के साथ विकास की नई पहल शुरू हो गई है। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी एवं सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी ने नवागत नपा सीएमओ प्रिंस अग्रवाल के पदभार ग्रहण अवसर पर पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में परिषद के सभी सभापति,वार्ड पार्षदगण,अधिकारी एवं कर्मचारीगण की गरिमामयी उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि नगर के विकास को लेकर एकजुटता का संदेश दिया जा रहा है। पदभार ग्रहण के बाद श्री अग्रवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि मैहर को स्वच्छ,सुंदर और सुव्यवस्थित शहर के रूप में स्थापित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने अधूरे विकास कार्यों को समयबद्ध पूर्ण कराने,सफाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने,पेयजल आपूर्ति में सुधार सुनिश्चित करने तथा प्रमुख मार्गों के सौंदर्यीकरण को गति देने का संकल्प व्यक्त किया साथ ही उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नियमित जनसुनवाई आयोजित की जाएगी,ताकि शासन और जनता के बीच संवाद एवं विश्वास की कड़ी और मजबूत हो। मैहर की जनता को लगने लगा है कि क्या यह नेतृत्व विकास को जमीनी हकीकत में बदलेगा? आने वाला समय इसका साक्षी बनेगा।

किसान महा चौपाल में मैहर से सैकड़ों किसान, युवाओं ने की भागीदारी

मैहर। भोपाल में आयोजित किसान महा चौपाल में मैहर नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी 'दद्दा' के नेतृत्व में सैकड़ों किसान एवं युवा किसानों ने प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। मैहर से बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों ने कृषि उपज का उचित मूल्य,कर्जमाफी, सिचाई व्यवस्था और फसल बीमा जैसी प्रमुख समस्याओं को मजबूती से उठाया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी, वरिष्ठ नेता मनीष पटेल, शिवम पांडे,विश्व मोहन बढ़गईया, बच्चू,अखिल मिश्रा, मोती पटेल, बृजभान कोल,पतिराम कोल,रामरतन कुशवाहा, संदीप ,राजकुमार ,सुशील, शारदा ,राजल, सोमेश एवं प्रिंस सहित सैकड़ों की तादाद में किसान और कार्यकर्ता भोपाल पहुंचे। पूरे कार्यक्रम में मैहर की भागीदारी चर्चा का केंद्र रही। नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी 'दद्दा' ने कहा कि यह महा चौपाल केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसानों के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के किसानों की आवाज को बुलंद करने का कार्य निरंतर किया जाएगा और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी के नेतृत्व और उनके द्वारा संसद व सार्वजनिक मंचों पर उठाए जा रहे मुद्दों का विशेष उल्लेख किया गया।अंतरराष्ट्रीय ट्रेड डील के प्रभाव,किसानों और छोटे व्यापारियों पर उसके संभावित असर तथा हालही में चर्चा में रहे 'एपस्टीन जैसे मामलों पर पारदर्शिता की मांग को लेकर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों का स्वागत किया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों पर निर्भीकता से आवाज उठाना लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है। कार्यकर्ताओं ने भारतीय नेशनल कांगेस की नीतियों और किसान हितैषी दृष्टिकोण की सराहना करते हुए राहुल गांधी का अभिनंदन किया। प्रभात द्विवेदी 'दद्दा' ने कहा कि जब तक किसानों,युवाओं और आम जनता को न्याय नहीं मिलता,तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। किसान महा चौपाल में मैहर की सक्रिय भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्षेत्र के किसान अपने अधिकारों को लेकर सजग हैं और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आदिवासियों का राशन कौन खा रहा है, 3 महीने से राशन बंद

मैहर। जनपद पंचायत मैहर की एक आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत भभरहा के ग्राम मनौरा में हालात बेहद चिताजनक हो गए हैं। पिछले तीन महीनों से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का राशन नहीं मिल रहा है जिससे सैकड़ों गरीब परिवारों के सामने दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है।ग्रामीणों एवं उपभोकताओं के द्वारा आरोप लगाए जा रहे कि क्या आदिवासियों के हिस्से का अन्न कोटेदार हड़प रहा है या जिले का संबंधित सिस्टम ही फ़ेल हो चुका है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों केद्वारा कलेक्टर मैहर को दिये गए आवेदन पत्र मे कहा कि यह क्षेत्र आदिवासी एवं पिछड़ा बाहुल्य है जहां लगभग 70 प्रतिशत लोग शासकीय राशन पर निर्भर हैं। राशन वितरण ठप्प होने से परिवारों की रोजमर्रा की जिदगी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें 9 किलोमीटर दूर दूसरे गांव तक जाना पड़ता है,लेकिन कई बार वहां से भी खाली हाथ लौटना पड़ता है। ऐसे में यदि राशन रिकॉर्ड में उठ रहा है तो उपभोक्ताओं को क्यों नहीं मिल रहा है। ग्रामीणो के द्वारा कहा जा रहा है कि सरकार गरीब कल्याण और खाद्य सुरक्षा की योजनाओं का ढिढोरा पीटती है,लेकिन मैहर में तीन महीने से राशन बंद होना प्रशासनिक उदासीनता की ओर इशारा करता है। ग्राम पंचायत भभरहा की सरपंच श्रीमती दुर्गा भाई ने कलेक्टर से अपील की है कि तत्काल खाद्यान्न उपलब्ध कराने और पूरे मामले की जांच कराये जाने की मांग की है।

सरकार के द्वारा दिए वाला राशन न मिलने उपभोक्ताओं के सामने भूख का संकट

विद्यालय में पीएम श्री अंतर्गत अब तक की प्रगति बहुत अच्छी-संयुक्त सचिव अश्वनी श्रीवास्तव

पीएम श्री हाईस्कूल कुंजवन का किया निरीक्षण अध्यापकों एवं छात्रों से संवाद कर सुविधाओं को जाना

पीएम श्री हाईस्कूल कुंजवन का औचक निरीक्षण जहां भारत सरकार के संयुक्त षिक्षा सचिव अश्वनी श्रीवास्तव ने विद्यालय में जहां पीएम श्री विद्यालय के मापदण्डों के अनुसार जो सुविधाएं प्रदान की जा रही है उनके बारे में छात्रों एवं अध्यापकों से संवाद करते हुए वास्तविकता को परखा वहीं आपने डिजिटल बोर्ड के माध्यम से षिक्षा प्रदान करने को लेकर जोर दिया। साथ ही लाईब्रेरी को ई-लाईब्रेरी आधुनिक दिषा देने के लिए भी निरीक्षण के दौरान कहा गया।

पन्ना।

निरीक्षण में पीएम श्री हाईस्कूल कुंजवन के ग्राउण्ड में आने वाले समय को ध्यान को रखते हुए पर्यावरण को लेकर जहां वृक्षारोपण तथा प्ले ग्राउण्ड बनाने को लेकर भी विद्यालय के प्राचार्य को निर्देषित किया। वहीं छात्र-छात्राओं से भी सीधा संवाद जहां आपके द्वारा गया पीएम श्री विद्यालय के बारे में जाना तथा भविष्य में उन्हें बेहतर षिक्षा मिलने के आसार जो तय हुए है उसके बारे में भी समझाईस दी। षिक्षा के साथ-साथ संगीत की षिक्षा वहीं व्यवसायिक षिक्षा भी इस विद्यालय में मिलने को लेकर जहां छात्रों को जाना इतना ही नहीं बेहतर षिक्षा व निजी विद्यालयों की तर्ज पर शासकीय पीएम श्री हाईस्कूल कुंजवन में जो षिक्षा प्रदान करने के लिए भारत सरकार के द्वारा लक्ष्य व मापदण्ड निर्धारित किये गये है। उसको ध्यान में रखते हुए विद्यालय के प्राचार्य व समस्त स्टाफ से वास्तविकता को परखा प्रगति व आयाम षिक्षा को लेकर जो तय किये गये है उनके बारे में बाखूबी जाना। अब तक विद्यालय में जिस तरह से गतिविधियों के माध्यम से जो छात्रों को षिक्षा प्रदान की गई डिजिटल बोर्ड के माध्यम से वह भी जाना। आने वाले समय में केन्द्रीय विद्यालय में जिस तर्ज से षिक्षा प्रदान की जा रही है उसी तर्ज पर यहां भी बेहतर सुविधायें व षिक्षा का माध्यम प्रदान करने को लेकर जो लक्ष्य तय किये गये है वह इन छात्राओं के बेहतर भविष्य के निर्माण को लेकर सभी षिक्षक तत्परता से कार्य करे। पीएम श्री हाईस्कूल कुंजवन में अब तक जो प्रगति तय की गई है उसको सराहा भी। स्वयं निरीक्षण पंजी में अंकित भी किया बहुत ही अच्छी प्रगति के बारे में स्वयं से टीप अंकित की। निष्चित ही आने वाले समय में यह विद्यालय जहां डिजिटल बोर्ड के माध्यम से तथा ई-लाईब्रेरी की सुविधा के साथ-साथ संगीत की षिक्षा वहीं छात्रों को व्यवसायिक षिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में जहां दक्षता प्रदान करने को लेकर जोर दिया जायेगा यह विद्यालय पीएम श्री विद्यालय बनने से जहां एक आदर्ष विद्यालय के रूप में जिस तरह से केन्द्रीय विद्यालय व नवोदय विद्यालय में छात्र-छात्राओं को षिक्षा मिल रही है उसी तर्ज पर इस विद्यालय में भी भारत सरकार की मषा के अनुसार षिक्षा प्रदान करने को लेकर जो दिषा तय की गई है वह बेहतर भविष्य षिक्षा के माध्यम से व्यवसायिक षिक्षा के साथ कई आयाम तय करने को लेकर माना जा रहा है। संयुक्त सचिव भारत सरकार अष्वनी श्रीवास्तव के साथ मध्यप्रदेष की भी टीम वहीं जिला षिक्षा अधिकारी रवि प्रकाष श्रीवास्तव, सहायक संचालक षिक्षा अमित जैन, डीपीसी अजय कुमार गुप्ता व षिक्षक पुष्पराज सिंह भी साथ में मौजूद थे। विद्यालय के प्राचार्य ने जहां आपके आगमन के दौरान पुष्पगुच्छ से स्वागत बंदन किया तदउपरांत विद्यालय का निरीक्षण अपनी मंषानुसार संयुक्त सचिव भारत सरकार ने विद्यालय में छात्रों को किस तरह से षिक्षा प्रदान की जा रही है इसके बारे में बारीकी से छात्र-छात्राओं से संवाद करके जाना। वहीं समझाईस भी दी गई इस तरह से जहां पीएम श्री हाईस्कूल कुंजवन का निरीक्षण भारत सरकार के सयुक्त सचिव अष्वनी श्रीवास्तव ने पीएम श्री हाईस्कूल कुंजवन की प्रगति को बहुत ही अच्छा बयां किया। साथ ही आपने विद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त स्टॉफ का हौसला अफजाई करते हुए सामूहिक फोटोग्राफी करवाई। विद्यालय के समस्त स्टाफ षिक्षक-षिक्षकाओं का हौसला अफजाई भी हुआ।

खबर संक्षेप

शासकीय महाविद्यालय अजयगढ़ की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय शिविर प्रारंभ

अजयगढ़। शासकीय महाविद्यालय अजयगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा सात दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन ग्राम गट्टी का पुरवा, प्राथमिक विद्यालय, बड़ी रूंध में 23 फरवरी 2026 से 01 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। शिविर के द्वितीय दिवस 24 फरवरी 2026 को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना से एनएसएस जिला संगठक डॉ. मनोज शुक्ला विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। डॉ. शुक्ला ने बौद्धिक चर्चा सत्र में स्वयंसेवकों से संवाद स्थापित करते हुए विभिन्न समसामयिक एवं सामाजिक विषयों पर विस्तार से परिचर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के मूलभूत सिद्धांतों, स्वयंसेवकों के दायित्वों, कर्तव्यों एवं शिविर की विशेष दिनचर्या पर प्रकाश डालते हुए समाज सेवा के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश यादव ने परियोजना कार्य के संदर्भ में डॉ. शुक्ला एवं स्वयंसेवकों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा शिविर के उद्देश्यों की जानकारी दी। बौद्धिक चर्चा सत्र में महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री जे. पी. अहिरवार, डॉ. मनुराज पाण्डेय एवं डॉ. प्रभात कुमार सिंह ने भी सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर परियोजना कार्य हेतु अपने विचार प्रस्तुत किए और स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। सात दिवसीय इस शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए ग्राम विकास एवं जनजागरूकता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

खिरवा हार गोलीकांड: युवक की संदिग्ध मौत पर परिजनों का हंगामा

अमानगंज। जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत महदवा खिरवा हार इलाके में युवक की गोली लगने से हुई संदिग्ध मौत का मामला लगातार उलझता जा रहा है। घटना के दो दिन गुजर जाने के बाद भी समाचार लिखे जाने तक पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध नहीं किए जाने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मृतक की पहचान बलिराम चौधरी (22 वर्ष) निवासी ककरहाई भटवा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार युवक का शव खेत में बनी झोपड़ी के पास मिला था। मृतक की आंख में गोली लगी पाई गई, जिससे मौत की परिस्थितियां संदिग्ध मानी जा रही हैं। घटनास्थल के पास थाली एवं रोटियां भी बरामद हुईं, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि मौके पर सामूहिक भोजन या किसी प्रकार की पार्टी चल रही थी। हालांकि घटना किन परिस्थितियों में हुई, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। मंगलवार सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम से पहले परिजनों ने हंगामा करते हुए मुआवजे की मांग रखी। काफी समझाइश और आश्वासन के बाद परिजन पोस्टमार्टम कराने के लिए राजी हुए। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना को दो दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा न तो मामले की स्पष्ट जानकारी दी जा रही है और न ही अपराध दर्ज किया गया है।

1 मार्च से शस्त्र लाइसेंस हेतु केवल ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया कि जिले में 01 मार्च 2026 से शस्त्र लाइसेंस संबंधी नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इस नई प्रणाली के तहत अब शस्त्र लाइसेंस के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को नया शस्त्र, बंदूक अथवा अन्य हथियार लेना है और इसके लिए आवेदन करना है, तो उसे भारत सरकार द्वारा निर्धारित आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा।

भाजपाई द्वारा कलेक्ट्रेट मे धरना-प्रदर्शन किया गया

मऊगंज जिलाध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा एंव पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राहुल गौतम के साथ सैकड़ो लोग धरना-प्रदर्शन मे शामिल हुए*

मऊगंज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने भाजपा मऊगंज जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राहुल गौतम सहित सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय मे धरना-प्रदर्शन किया भाजपा कार्यकर्ताओं ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं देवतालाब विधायक गिरीश गौतम के ऊपर सोशल मीडिया में नियम विरुद्ध तरीके से टिप्पणी की गई थी जिसको लेकर कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश था कलेक्टर कार्यालय मे धरना-प्रदर्शन कर उन्होंने सबूत के साथ लगे आरोपों को साबित करने के लिए कहा अगर साबित नहीं कर पाए तो उन पर कार्यवाही की जाए भ्रष्टाचार एवं अन्य कई बिंदुओं को लेकर प्रदर्शन किया गया था इस कार्यक्रम में नगर पंचायत मंनगवा उपाध्यक्ष प्रमोद उरमालिया, जिला मंत्री प्रियंका पटेल, सुशील उरमालिया, मंडल अध्यक्ष लवकुश सिंह, संदीप पटेल, मनबोध सिंह, सिया शरण, आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस की बड़ी कार्यवाही, अजयगढ़ थाना क्षेत्र में क्रूरता पूर्वक मवेशी परिवहन पर कार्रवाई 105 नग भैंस, पड़वा व पड़िया सुरक्षित बरामद, कुल मशरूका लगभग 31 लाख रुपये जप्त

पन्ना।

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा जिले में अवैध गतिविधियों, गौवंश परिवहन एवं पशु क्रूरता के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना चौहान एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) राजीव सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना अजयगढ़ पुलिस टीम द्वारा मवेशियों के क्रूरता पूर्वक परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। दिनांक 24.02.2026 की रात्रि में थाना प्रभारी अजयगढ़ निरीक्षक हरि सिंह ठाकुर को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि पन्ना की ओर से एक डीसीएम एवं 03 बोलेरो पिकअप वाहनों में मवेशियों को क्रूरता पूर्वक ठूंस-ठूंसकर अवैध रूप से अजयगढ़ की ओर ले जाया जा रहा है, जिन्हें बूचड़खाना उत्तरप्रदेश ले जाने की तैयारी है। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए थाना प्रभारी अजयगढ़ द्वारा अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों द्वारा ग्राम सिंहपुर से कस्बा अजयगढ़ तक विभिन्न स्थानों पर चेकिंग लगाकर वाहनों को रोका गया। कुल 105 नग भैंस, पड़वा व पड़यि अत्यंत क्रूरता पूर्वक मुंह एवं पैर रस्सियों से बांधकर ठूंस-ठूंसकर भरे पाए गए। मवेशियों के लिए खाने-पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी।

जप्त सामग्री - पुलिस द्वारा सभी 105 नग मवेशी (कीमती लगभग 10,50,000/- रुपये) सुरक्षित बरामद किए गए तथा परिवहन में प्रयुक्त 01 डीसीएम एवं 03 बोलेरो पिकअप वाहन (कीमती लगभग 20,50,000/- रुपये) जप्त किए गए। इस प्रकार कुल 31,00,000/- रुपये का मशरूका जप्त किया गया। जप्तशुदा मवेशियों को सुरक्षार्थ गौशाला भानपुर में रखा गया है। आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में पृथक-पृथक कुल 04 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए हैं।

आरोपीगण-1. अमीर हसन पिता छिद्दू हसन, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम सिचोली थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.)

2. असलम खान पिता मुनीम खान, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम हनुमानपुर थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.)

3. सलीम पिता नजीर, उम्र 36 वर्ष, निवासी रामपुर थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.)

4. सोहेल पिता मोहब्बत अली, उम्र 25 वर्ष, निवासी रामपुर थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.)

5. मोहम्मद आलम पिता लियाकत, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम हनुमानपुर थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.)

6. सुलेमान पिता अंसार, उम्र 26 वर्ष, निवासी खेसहन थाना गाजीपुर जिला फतेहपुर (उ.प्र.)

7. चांद मियां पिता असफाक, उम्र 38 वर्ष, निवासी गोसपुर थाना हथगांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.)

सराहनीय योगदान- उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी अजयगढ़ निरीक्षक हरि सिंह ठाकुर, सउनि कमल सिंह चंदेल, अशोक गौतम, प्र.आर. जयेन्द्र पाल, अशोक कुमार, राजकुमार अहिरवार, आरक्षक मनोज पटेल, रामनरेश गुप्ता, भूरीसिंह गुर्जर, कपिल अहिरवार, अरुण प्रताप, रोहित मिश्रा, अश्वनी कुमार, प्रदीप सिंह, शुभम शुक्ला एवं अमित द्विवेदी का सराहनीय योगदान रहा।

हनुमना जनपद क्षेत्र मे अवैध उत्खनन का कारोबार,धड़ल्ले से चल रहा चीप का व्यापार

खनन माफियाओं का कहर जारी ,सब पर है भारी,ना प्रशासन का डर और ना ही पुलिस का खौफ

कभी पुलिस को खदेड़ने का मामला तो कभी वन विभाग के ऊपर हमला,जोखिम भरे अवैध उत्खनन की लगातार शिकायतों पर कार्रवाई नही

मऊगंज। जिले के हनुमना जनपद से अवैध उत्खनन की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, वे प्रशासनिक तंत्र की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। एमपी यूपी सीमा से सटे संवेदनशील क्षेत्रों में पत्थर की पटियों का अवैध कारोबार बेखौफ तरीके से संचालित होने के गंभीर आरोप हैं। स्थानीय सूत्रों और जमीनी पड़ताल में यह दावा किया जा रहा है कि पहाड़ों और जंगलों को छलनी कर बेशकीमती चट्टानों को तोड़ा जा रहा है, जबकि जिम्मेदार विभाग या तो सुस्त नजर आते हैं या पूरी तरह मौन।

खदानों की न तो अनुमति और न ही स्वीकृति,करोड़ों की राजस्व कोष आय पर लगा रहे चपत- हनुमना क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों जिनमे लोढ़ी, पातीं, गोपला, मझिगवां, जैसे दर्जनों ग्राम पंचायत क्षेत्रों में सैकड़ों खदाने बड़े पैमाने पर अवैध खनन की गतिविधियों की शिकायतें लगातार उठती रही हैं। आरोप है कि बिना अनुमति और स्वीकृति के खदानें संचालित हैं, जिससे राजस्व कोष को करोड़ों की चपत लग रही है। क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली पत्थर पटिया की मांग अधिक होने के कारण ट्रकों के जरिए यूपी और बिहार तक परिवहन का सिलसिला जारी रहने की बात कही जा रही है।

खनन माफियाओं का काला कारोबार

: जिले के हनुमना क्षेत्र अंतर्गत दर्जनों ग्राम पंचायत में बेशकीमती पटिया का काला कारोबार धड़ल्ले से फल फूल रहा है,ये हम नहीं वहां की तस्वीरें बया कर रही है। पूरे जंगल और पहाड़ों को इस कदर छलनी करके पत्थरों को चीरकर नेस्तनाबूत कर दिया गया है कि जहां देखो चारों तरफ उजड़े पहाड़ और बिखरते जंगल में सिर्फ खाई और गड्ढे, चट्टानों को तोड़कर पत्थर की पटिया और ढोका का काला कारोबार धड़ल्ले से फल फूल रहा है।

खनन माफिया के साथी,मीडिया टीम देख हुए हावी,जोखिम लेते हुए लोढ़ी पहुंची मीडिया की टीम- मामले की संवेदनशीलता तब और बढ़ गई जब जमीनी हकीकत जानने पहुँची मीडिया टीम के साथ तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न होने की खबरें सामने आईं। बताया गया कि जैसे ही कैमरे मौके पर पहुँचे, मशीनें बंद कर दी गईं और कई लोग स्थल छोड़कर भाग निकले। अवैध उत्खनन में लिप्त गाड़िया स्थल से भाग खड़ी हुई,इसके बाद कथित रूप से कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा पत्रकारों के साथ झूमाझटकी और हमले की कोशिश की गई। यह पूरा घटनाक्रम मीडिया की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है।

ना प्रशासन का डर और ना ही पुलिस का खौफ है-स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब अवैध उत्खनन को लेकर टकराव की स्थिति बनी हो। पूर्व में भी पुलिस और वन विभाग की टीमों के साथ विवाद और हमले की घटनाएं सामने आने के दावे किए जाते रहे हैं। बावजूद इसके, अवैध खनन के विरुद्ध ठोस और सतत कार्रवाई का अभाव महसूस किया जा रहा है।

खनिज विभाग सुस्त तो एन.जी.टी भी मस्त-सबसे अधिक सवाल खनिज विभाग की भूमिका पर उठ रहे हैं। आरोप है कि विभागीय स्तर पर कार्रवाई के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति हो रही है। क्षेत्र में सक्रिय खनन माफिया के प्रभाव के चलते सख्त कदमों की कमी की चर्चा आम है। वहीं,NGT द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए बने नियमों और दिशानिर्देशों की अनदेखी को लेकर भी चिंता व्यक्त की जा रही है, खासकर उन प्रावधानों की, जिनका उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थिति की संतुलन की रक्षा करना है। जोखिम भरे कवरेज के दौरान खनन माफियाओं ने पत्रकारों पर भी हमला बोल दिया,किसी कदर वहां से निकलना ही मुनासिब समझा अन्यथा किसी भी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता था,अवैध उत्खनन में सक्रिय खनन माफिया इस कदर सक्रिय होकर बेखौफ होकर जंगल और पहाड़ों के अस्तित्व को समाप्त करने पर आतुर है। जब इस पूरे मामले को लेकर कलेक्टर मऊगंज संजय जैन के संज्ञान में अवैध उत्खनन और पत्रकारों पर हुए हमले की जानकारी पता चली तो उनके द्वारा सख्त निर्देश देते हुए कल की घटना पर लगातार हम नजर बनाए हुए है लगातार कार्यवाहियों भी जारी है, छापे भी मारे जा रहे है,जुर्माने भी लगाए है साथ ही कई लीज पर एक्शन भी लिया गया है,अवैध उत्खनन पर खनन माफियाओं के विरुद्ध सख्त कार्यवाही भी की जाएगी। वहीं पत्रकारों के साथ घटना की जानकारी लगते ही पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने तत्काल हनुमना थाने में विभिन्न धाराओं में मामला पंजीबद्ध कर आगे की कार्यवाही में जुटी हुई है। वहीं जब इस पूरे मामले को लेकर एन जी टी प्रभारी के संज्ञान में लाया गया कि पूरे पहाड़ और जंगल में अवैध उत्खनन किया जा रहा आखिर खनन माफियाओं पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही तो उनके द्वारा यह जवाब देकर अपना पल्ला झाड़ दिया गया कि ये काम खनिज विभाग का है,हमारा इससे कोई लेनदेन नहीं हैं ,यह बयान जहां एक ओर कार्रवाई की संभावना दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर अब तक की निष्क्रियता पर सवालों को भी हवा देता है। पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने वाली संस्थाओं की प्रभावशीलता पर भी चर्चा तेज है, क्योंकि जमीनी स्तर पर कथित उल्लंघनों की खबरें थमने का नाम नहीं ले रहीं। रीवा सांसद जनार्दन मिश्र ने भी सख्त कार्यवाही का पूर्ण आश्वासन देते हुए खनन माफिया के गुंडा राज को खत्म करने का पूर्ण आश्वासन दिया गया गया है,तो वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता ने भी गंभीर आरोप लगाए है जबकि कमिश्नर से लेकर ngt और माइनिंग विभागों में आवेदन और शिकायतों के बाद भी कार्यवाही न होना बड़े सवाल खड़े कर रहा है ।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय एक दिवसीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम पंचायत कल्दा में हुआ सम्पन्न

पन्ना। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीनाराजे परमार, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष सुखदेव सिंह तथा भाजपा मण्डल अध्यक्ष निधी पटेरिया रही उपस्थित, कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार द्वारा की गई। नवाचार अन्तर्गत पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत ज़िला स्तरीय एक दिवसीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन प्रातरू 11 बजे ग्राम पंचायत कल्दा, जनपद पंचायत पवई, जिला पन्ना में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना राजे परमार तथा जनपद पंचायत पवई से उपाध्यक्ष श्रीमान सुखदेव सिंह तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष पवई निधि पटेरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर महोदया श्रीमती उषा परमार द्वारा की गई। कार्यक्रम में ज़िला पंचायत अध्यक्ष महोदया, कलेक्टर महोदया एवं ज़िला

पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी जी, जिला परियोजना अधिकारी संजय सिंह जी, जिला खेल अधिकारी सुमित तोमर जी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पवई, आरजीएसए ज़िला परियोजना प्रबंधक रविकांत चतुर्वेदी, जिला समन्वयक मुकेश कुमार त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे। जिला स्तरीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गुनौर विजेता टीम को 21 हज़ार रुपए से पुरस्कृत किया गया। दूसरे स्थान पर उपविजेता शाहनगर को 11 हज़ार रुपए से पुरस्कृत किया गया। तीसरे नंबर पर अजयगढ़ की टीम को 5100 रुपए एवं अन्य टीम को 1100-1100 सौ रुपए का सांत्वना पुरस्कार का पुरस्कार तथा मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान किया गया। ज़िला पंचायत अध्यक्ष ने खेलों के महत्व के बारे में बताया और कार्यक्रम की सराहना की, कलेक्टर महोदया द्वारा भी पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने की बात कही गई।पारंपरिक खेलों को पुण्यजाग्रत करने की जिससे खेल भावना का विकास हो और हर खिलाड़ी ज़िले से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक अपने ज़िले का नाम रोशन कर सके। परंपरागत खेलों में कबड्डी के अलावा रस्साकस्सी एवं बोरा दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया तथा विजेता टीम को ट्रॉफी एवं मैडल प्रदान किया गया।

नगर के मुख्य शमशान घाटों पर फैली गंदगी, आम जनता को हो रही परेशानी, प्रशासन ध्यान दें

अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज नगर के मुख्य श्मशान घाट में इन दिनों भारी गंदगी पसरी हुई है। जिसके चलते अंतिम संस्कार करने पहुंच रहे स्थानीय आम नागरिकों को मुंह में कपड़ा लगाकर अपना काम करना पड़ रहा है हालात ऐसे निर्मित हो गए हैं जैसे नगर में गंदगी कहीं बाहर से आ रही हो और चुपके-चुपके कोई गंदगी यहां डालकर अपनी रवानगी ले लेता हो और इस विषय में हमारा स्थानीय नगर निकाय पूरी तरह से अनजान हो नगर के दुबे परिवार के सब प्रमुख श्मशान घाट पर दिवस सेकडों की संख्या में पहुंचे स्थानीय लोगों ने एक अंतिम संस्कार आयोजन में बड़ी मुश्किल से अपनी उपस्थिति दर्ज कराया यहां पोजीशन यह बनती रही कि लोग मोगी पल ही अस्वस्थ होकर बेहोश ना हो जाए स्थानीय नगर निकाय को चाहिए कि चारों ओर अपनी सतर्कता बनाए रखें और ऐसे सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा में महंगा कम से कम एक बार अपनी सफाई की व्यवस्था सुरक्षित करें मौके पर ही उपस्थित कई लोगों ने अपनी चर्चा में कहा है कि बाहर से जो कंपनी सीमेंट की यहां आई है उसके ही कर्मचारी चुपके चुपके यहां कचरा डाल रही है जिसकी वजह से यहां के हालत काफी विपरीत हो गए हैं याद हो कि हिंदू सनातन संस्कृति में अंतिम संस्कार का आयोजन एक विशेष काम माना जाता है और यदि उसी में बाधा उत्पन्न हो रही है तो आम जनमानस कहां शांति पाएगा और मरने, करने वाला भी शांति नहीं पा सकता।

खबर संक्षेप

कलेक्टर की जनसुनवाई में ग्रामीणों ने उठाईं मूलभूत सुविधाओं की मांग

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में ग्राम बर्बसपुरा पंचायत भवानीपुर तहसील चंदला में राजस्व के ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर आवेदन सौंपा। ग्रामीण मूलचंद यादव ने बताया है कि बर्बसपुरा में लगभग 125 से 200 तक हरिजन एवं गरीब परिवार निवास कर रहे हैं, जिनके पास आज तक राजस्व अभिलेखों में भूमि का स्पष्ट दर्जा नहीं है। इस संबंध में पूर्व में एसडीएम एवं तहसील कार्यालय में भी आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पक्की सड़क, पेयजल की समुचित व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पानी की टंकी या नल कनेक्शन नहीं होने से दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है। स्कूल की व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से शीघ्र उचित कार्रवाई की मांग की है।

निशुल्क नेत्र शिविर का हुआ नौगांव जेल में आयोजन, 51 नेत्र रोगियों का हुआ जांच परीक्षण

छतरपुर। नगर में हमेशा से ही श्री सदगुरु सेवा ट्रस्ट चित्रकूट के द्वारा निशुल्क नेत्र शिविर के आयोजन होते रहते हैं। इसी कड़ी में श्री सदगुरु सेवा ट्रस्ट द्वारा निशुल्क शिविर का आयोजन स्थानीय जेल में किया गया। नेत्र शिविर की शुरुवात पूजा अर्चन से हुई। निशुल्क नेत्र शिविर में सभी बंदियों की जांच की गई और दवा वितरित की गई। बताया जाता है कि नगर की उपजेल नौगांव में निशुल्क नेत्र शिविर में कुल 51 लोगों की जांच की गई। इसके उपरांत जिन लोगों को चश्मा बताया गया है उनको 7 दिवस के बाद नंबर वाले चश्मा वितरित किए जाएंगे। करीब 20 लोगों को यह चश्मे वितरित किए जाएंगे। तो वहीं अन्य बंदियों को दवा वितरित की गई। नेत्र शिविर में इन डॉक्टरों ने की जांच जिनमें डॉक्टर अरविंद मिश्रा, राहुल लखेरा, श्री पांडे उपस्थित रहे।

एसपी कार्यालय में टेंट हाउस संचालक ने पुलिसकर्मी पर लगाए गंभीर आरोप

छतरपुर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान एक अनोखा मामला सामने आया। जय बाबा टेंट हाउस के संचालक पवन सोनी ने एक पुलिसकर्मी पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि खजुराहो में प्रधानमंत्री के आगमन पर आयोजित कार्यक्रमों के दौरान उनके टेंट हाउस द्वारा ओरछा रोड थाना क्षेत्र में बिस्तर और गद्दे उपलब्ध कराए गए थे। संचालक के अनुसार 22 दिसंबर 2024 और 20 फरवरी 2025 को दिए गए सामान का कुल 31 हजार रुपये का बिल बना था। आरोप है कि पुलिस लाइन में पदस्थ पुलिसकर्मी धर्मेन्द्र द्वारा भुगतान की प्रक्रिया में गड़बड़ी करते हुए राशि अपने खाते में डलवा ली गई। पीड़ित का कहना है कि भुगतान का पैकेट तैयार होने के बाद भी उन्हें राशि प्राप्त नहीं हुई। पवन सोनी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज होने के बाद मामले की जांच की बात कही जा रही है।

रोजगार सहायक पर अनियमितता का आरोप

छतरपुर। बिजावर जनपद की ग्राम पंचायत नदगाय निवासी हरिचंद यादव ने जनसुनवाई में शिकायती आवेदन प्रस्तुत कर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि माननीय मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक द्वारा नहीं किया जा रहा है। शिकायत के अनुसार मामला नवीन खेत तालाब (सूडा हार) निर्माण से जुड़ा है, जिसमें कुल 14 लाख 84 हजार रुपये की स्वीकृति बताई गई। आरोप है कि बिना निर्माण कार्य कराए ही 5 लाख 76 हजार 292 रुपये की राशि जमा कर दी गई। इसके बावजूद आज दिनांक तक संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हरिचंद यादव ने यह भी आरोप लगाया कि दोषी पाए जाने के बाद भी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अब तक अपने पदों पर कार्यरत हैं, जिससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दक्षिण भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों की गरिमा, सौंदर्य और आध्यात्मिक ऊँचाइयों से आलोकित नृत्यभूमि

52वाँ अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह

52वाँ अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह का चौथा दिवस, भरतनाट्यम, कथकली एवं कुचिपुड़ी नृत्य की प्रस्तुतियां

छतरपुर

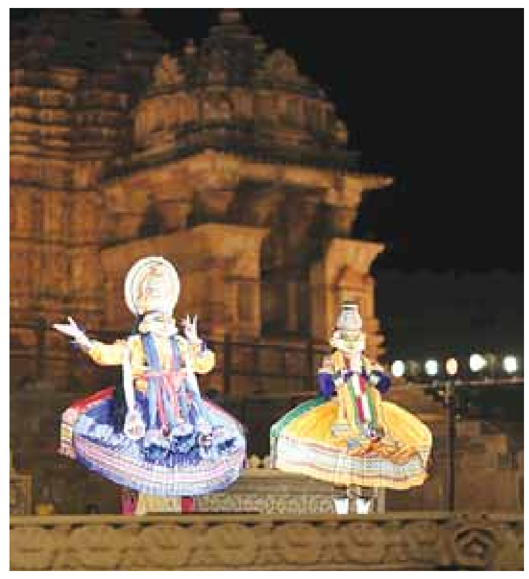

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग एवं उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (नागपुर), मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग तथा जिला प्रशासन - छतरपुर के सहयोग से आयोजित 52वें अंतरराष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह का चौथा दिवस दक्षिण भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों की गरिमा, सौंदर्य और आध्यात्मिक ऊँचाइयों से आलोकित रहा। खजुराहो के ऐतिहासिक मंदिरों की पृष्ठभूमि में सजे इस भव्य मंच पर भरतनाट्यम, कथकली और कुचिपुड़ी जैसी प्राचीन नृत्य परंपराओं ने न केवल कला का वैभव प्रस्तुत किया, बल्कि साधना, अध्यात्म और सांस्कृतिक विरासत की गहन अनुभूति भी कराई। कलाकारों का स्वागत पूर्व अपर मुख्य सचिव जे.एस.कंसोटिया, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर एवं उप निदेशक शेखर करहाड़कर ने पुष्पगुच्छ, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर किया।

चौथे दिवस का शुभारंभ चेन्नई की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना एवं दक्षिण भारतीय सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री नव्या नायर की भरतनाट्यम एकल प्रस्तुति से हुआ। उनकी सधी हुई मुद्राएँ, भावपूर्ण अभिव्यक्ति और लयबद्ध पद संचालन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके नृत्य में शास्त्रीय अनुशासन और सौंदर्य का अद्भुत संतुलन दिखाई दिया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति का आरंभ भरतनाट्यम के महत्वपूर्ण अंग वर्णम के साथ की, जिसमें उन्होंने दरूवर्णम में देवी मीनाक्षी की कथा को प्रस्तुत किया। यह रचना राग खमाज के स्वरों एवं आदि ताल में निबद्ध थी, जिसके रचनाकार मुथैया भागवत हैं। दक्षिण भारतीय मंदिर परम्परा की भक्ति एवं नायिका - भाव दोनों को मिलाकर रची गई इस अत्यंत आकर्षक रचना ने दर्शकों को आत्ममुग्ध कर दिया। उन्होंने प्रस्तुति का समापन पारंपरिक रूप से पूर्वी तिल्लाना के साथ किया, जो राग पूर्वी में निबद्ध थी। पूर्ण ऊर्जा एवं उत्साह के साथ प्रस्तुत इस रचना में नव्या नायर ने लय, गति, पद संचलन की जटिलता एवं देह की रेखाओं का सौंदर्य शीर्ष तक पहुंचाया। उनके साथ गायन में प्रीति महेश, नटवांगम पर हेमन्त लक्ष्मण, मृदंगम पर प्रबल जीत एवं वायलिन पर के.पी. नंदिनी ने संगत की।

कथकली में प्रेम, पराक्रम और पारिवारिक सम्मान के भाव

द्वितीय प्रस्तुति प्राचीन एवं सशक्त नृत्य शैली कथकली की थी, जिसे संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित गुरु कोट्टक्कल नंदकुमारन नायर (केरल) ने प्रस्तुत किया। "सुभद्रहणम्" नामक यह प्रस्तुति महाभारत के एक रोचक प्रसंग पर आधारित थी। आकर्षक वेशभूषा, प्रभावशाली रूप-सज्जा और विशिष्ट मुखाभिनय के माध्यम से कलाकारों ने कथा को जीवंत कर दिया। कथा में अर्जुन का संन्यासी वेश में द्वारका आगमन, सुभद्रा और अर्जुन के मध्य अंकुरित प्रेम, श्रीकृष्ण की सूझबूझ तथा बलराम का क्रोध - इन सभी भावों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। श्रीकृष्ण द्वारा बलराम को समझाना, अर्जुन की वीरता का प्रदर्शन और अंत में अष्टकलाशम् की विशेष कोरियोग्राफी ने प्रस्तुति को चरम सौंदर्य प्रदान किया। बलभद्र, श्रीकृष्ण और अर्जुन के पात्रों ने प्रेम, पराक्रम और पारिवारिक सम्मान के भावों को अत्यंत प्रभावपूर्ण ढंग से अभिव्यक्त किया। पारंपरिक वाद्य-संगीत - चेंडा, और सजीव गायन - ने इस प्रस्तुति को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

देवीमय आलोक से प्रकाशित हो उठा परिसर

चौथे दिवस का समापन पद्मश्री डॉ. जी. पद्मजा रेड्डी, हैदराबाद की कुचिपुड़ी प्रस्तुति से हुआ। पाँच दशकों से कुचिपुड़ी नृत्य की साधना में रत डॉ. रेड्डी पौराणिक एवं सामाजिक विषयों पर आधारित नृत्य-नाटिकाओं के लिए विख्यात हैं। वे तेलंगाना की नवीन नृत्य शैली "काकतीयम्" के सृजन एवं संवर्धन में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। खजुराहो के प्रतिष्ठित मंच पर उन्होंने अपनी चर्चित नृत्य-नाटिका "नवदुर्गा" प्रस्तुत की। यह प्रस्तुति देवी दुर्गा के नौ दिव्य स्वरूपों का सजीव और दिव्य चित्रण थी। शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, महाकाली, महागौरी और सिद्धिदात्री - इन नौ रूपों की शक्ति, करुणा, साहस और आध्यात्मिक तेज को कुचिपुड़ी की लयात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। जैसे ही मंच पर नवदुर्गा के स्वरूप साकार हुए, सम्पूर्ण परिसर देवीमय आलोक से प्रकाशित हो उठा। नृत्य, संगीत और भावाभिनय के समन्वय ने दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया। इस प्रकार खजुराहो नृत्य समारोह का चौथा दिवस भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपराओं की गरिमा, विविधता और आध्यात्मिक ऊँचाइयों का जीवंत उत्सव बन गया।

छतरपुर आयुष विभाग में रिश्वत कांड के बाद कर्मचारियों का वेतन संकट गहराया

छतरपुर

नए साल की शुरुआत में आयुष विभाग में हुए रिश्वत कांड पूरे जिले में चर्चा का विषय रहा,तबसे अब तक आयुष विभाग के जिले भर के कर्मचारियों का वेतन न मिलना भी चर्चा में है,गौरतलब है कि 1 जनवरी 2026 को मध्यप्रदेश लोकायुक्त संगठन की सागर इकाई की 11 सदस्यीय टीम ने जिला आयुष अधिकारी डॉ. निर्मला कुशवाहा और सहायक ग्रेड-3 आनंद कुमार साहू को 5 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। यह कार्रवाई छुट्टी स्वीकृत कराने और वेतन जारी करने के नाम पर रिश्वत मांगने की शिकायत के बाद की गई।

छुट्टी के नाम पर मांगी गई थी रिश्वत

जानकारी के अनुसार, विभाग के एक भृत्य ने 1 दिसंबर से 20 दिसंबर तक अवकाश लिया था। ड्यूटी पर लौटने के बाद उसे बताया गया कि उसकी छुट्टी अस्वीकृत कर दी गई है और 20 दिनों का वेतन काटा जाएगा। आरोप है कि अवकाश स्वीकृत कराने और वेतन न काटने के बदले 5 हजार रुपये की मांग की गई। कर्मचारी ने इसकी शिकायत लोकायुक्त में की, जिसके सत्यापन के बाद कार्रवाई की गई। हालांकि, तत्समय संबंधित अधिकारी ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि पैसे जबरन उनके बैग में रखे गए।

स्थानांतरण के बाद भी विभाग में असमंजस

लोकायुक्त कार्रवाई के बाद दोनों अधिकारियों का छतरपुर से स्थानांतरण कर दिया गया है और विभागीय जांच जारी है,वर्तमान में डॉ.महेश अहिरवार को प्रभारी जिला आयुष अधिकारी बनाया गया है, लेकिन उन्हें ड्रॉइंग एंड डिस्बर्सिंग ऑफिसर की पूर्ण वित्तीय शक्तियां नहीं दी गई हैं। जिसके चलते छतरपुर जिले के आयुष विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों का वेतन अब तक जारी नहीं हो सका है। वेतन न मिलने से कर्मचारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं और विभागीय कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं,विभागीय सूत्र बताते हैं कि भोपाल में बैठे जिम्मेदार वेतन बनाने की प्रक्रिया हेतु दो लाख रुपए की मांग कर रहे हैं

लंबे समय से जमी थी जड़ें?

रिश्वत कांड में फंसे सहायक ग्रेड-3 आनंद कुमार साहू तथा रिटायर लेखापाल प्रीति नायक लंबे समय से जिला आयुष कार्यालय में पदस्थ थे,सूत्रों की माने तो विभाग में बिना लेन-देन के कार्य कोई कार्य नहीं होता था,हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग

जिला छतरपुर (म.प्र.)के समस्त आयुष अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभारी अधिकारी को तत्काल पूर्ण डी.डी.ओ. अधिकार दिए जाएं

लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान कराया जाए

कर्मचारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन इसका खामियाजा निर्दोष कर्मचारियों को नहीं भुगतना चाहिए। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में कितनी तेजी से निर्णय लेकर विभाग में स्थिरता बहाल करता है।

इनका कहना-

अभी विभाग के किसी भी कर्मचारी का वेतन नहीं मिल सका,उम्मीद है कि जल्द नए जिला अधिकारी आने वाले हैं जिससे वेतन भुगतान की समस्या का निराकरण हो जाएगा।

डॉ.महेश अहिरवार, प्रभारी अधिकारी, आयुष विभाग छतरपुर

ग्राम बृजपुरा में हुई हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा, 26 को भंडारा

छतरपुर

जिले के ग्राम बृजपुरा में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। नव निर्मित श्री प्रकटेश्वर बालाजी सरकार मंदिर में विराजमान हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। विधिवत हवन-पूजन संपन्न हो चुका है, जबकि 26 फरवरी को पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इस मंदिर में स्थापित हनुमान जी की मूर्ति से जुड़ी रोचक जानकारी भी सामने आई है। बताया गया कि यह मूर्ति किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा रात्रि के दौरान ब्रह्मदेव मंदिर में रखी गई थी, जहां यह कई दिनों तक विराजमान रही। इसके बाद ग्रामवासियों की सहमति से मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा कराने का निर्णय लिया गया। मंदिर ब्रह्मदेव मंदिर के समीप स्थित है।

मंदिर परिसर में 20 फरवरी से 26 फरवरी तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से हरि इच्छा तक श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचन राहुल मिश्रा के मुखारविंद से हो रहा है। 26 फरवरी को कथा की पूर्णाहुति के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें क्षेत्रवासियों सहित समस्त धर्मप्रेमियों को आमंत्रित किया गया है।

ग्राम पंचायत बृजपुरा के सरपंच आदित्य पंकज मिश्रा ने बताया कि समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से यह धार्मिक आयोजन संपन्न कराया जा रहा है। इस प्रकार के आयोजनों से गांव में आध्यात्मिक वातावरण सुदृढ़ होता है तथा सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है।

विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों में शासन की स्वीकृति के बिना करोड़ों के भुगतान की जांच होगी

छतरपुर विधायक के सवाल पर उच्च शिक्षा मंत्री ने दिया आश्वासन

छतरपुर।

छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर में शासन की बिना स्वीकृति के निर्माण कार्यो में की जा रही अनियमितताओ का मुद्दा मंगलवार को विधानसभा में उठाया। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

विधायक श्रीमती ललिता यादव ने पूछा कि महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर में निर्मित कुलपति निवास, प्रशासनिक भवन, अकादमिक भवन एवं बाउंड्रीवॉल निर्माण पर आज तक कुलसचिव द्वारा कुल कितनी राशि का भुगतान किया गया है। साथ ही क्या निर्माण कार्य के भुगतान की कुलसचिव द्वारा उच्च शिक्षा विभाग से कितनी राशि की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त की गई?

विधायक ने यह भी सवाल उठाया कि क्या कुलसचिव बिना प्रशासकीय स्वीकृत लिये 40 करोड का भुगतान कर सकता है? कुलसचिव क्या स्वयं प्रशासकीय स्वीकृति देकर स्वयं भुगतान कर सकता है तो आदेश प्रस्तुत करें।

विधायक श्रीमती ललिता यादव ने बिना प्रशासकीय स्वीकृति के कुलसचिव द्वारा किये गये करोड़ों के भुगतान को वित्तीय अनियमितता बताते हुए शासन से कार्यवाही की मांग की।

उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने विधायक श्रीमती ललिता यादव के प्रश्न का लिखित उत्तर देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की स्वीकृति से विश्वविद्यालय के वार्षिक बजट में प्रावधानित की गई राशि के अनुसार विश्वविद्यालय के द्वारा कुलपति निवास एवं प्रशासनिक भवन के लिये 17 करोड़ एवं बाउंड्रीवाल, गेट निर्माण एवं गार्ड रूम निर्माण के लिये 10 करोड़ 50 लाख रुपए का भुगतान किया गया। इस प्रकार कुल 27 करोड़ 50 लाख का विश्वविद्यालय द्वारा लोक निर्माण विभाग पीआईयू छतरपुर को भुगतान किया गया है। अकादमिक भवन के लिये विश्वविद्यालय द्वारा किसी राशि का भुगतान नहीं किया गया है।

उन्होंने बताया कि मप्र विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 24 की उपधारा 14 के अंतर्गत निर्माण कार्य की स्वीकृति विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वारा दी गई है। जिसके आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा बजट में प्रावधानित की गई राशि में से भुगतान की कार्यवाही की गई है।

उच्च शिक्षा मंत्री के लिखित उत्तर पर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने कहा कि उनके मूल प्रश्न के उत्तर में उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा जो जानकारी प्रस्तुत की गई है, वह तथ्यों के विपरीत है और सदन को गुमराह करने वाली है।

विधायक ने कहा कि मंत्री के उत्तर में बताया गया है कि उच्च शिक्षा विभाग से प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त नहीं की गई। जबकि वास्तविकता यह है कि कुलसचिव के पत्र क्र. 428 (दिनांक 11/04/22) के संदर्भ में आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पत्र क्रमांक 554/286/आ.उ.शि./शा.-नि/2021 (दिनांक 25/07/2022) जारी किया गया था। इस पत्र के माध्यम से 40 करोड़ के प्रस्ताव के विरुद्ध केवल 20 करोड़ रुपये की स्वीकृति स्पष्ट रूप से प्रदान की गई थी।

उन्होंने बताया कि उत्तर में मप्र विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 24(14) का हवाला देकर कहा गया है कि कार्यपरिषद को स्वीकृति का अधिकार है। यदि कार्यपरिषद सर्वोच्च थी और उसे शासन की अनुमति की आवश्यकता नहीं थी, तो विश्वविद्यालय प्रशासन ने 11 अप्रैल 2022 को उच्च शिक्षा विभाग से 40 करोड़ की अनुमति क्यों मांगी?

विधायक ने कहा कि मंत्री ने स्वयं स्वीकार किया है कि निर्माण कार्यों पर 27 करोड़ 50 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। जब उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मात्र 20 करोड़ रुपये खर्च करने की स्पष्ट सीमा तय की गई थी, तो अतिरिक्त 7 करोड़ 50 लाख रुपये बिना शासन की अनुमति के किसके आदेश पर खर्च किए गए? क्या विश्वविद्यालय शासन के आदेशों से मुक्त हो गया है?

विधायक श्रीमती ललिता यादव ने कहा कि शासन की स्पष्ट 20 करोड़ की सीमा का उल्लंघन कर 7.50 करोड़ का अतिरिक्त भुगतान करना एक प्रमाणित वित्तीय अनियमितता है। साथ ही विधानसभा में इस 20 करोड़ की स्वीकृति के पत्र (दिनांक 25 जुलाई 2022) को छिपाकर सदन को गुमराह किया गया है।

उन्होंने कहा कि मंत्री इस 7.50 करोड़ के अवैध भुगतान और सदन को गुमराह करने वाले दोषी अधिकारियों (कुलसचिव एवं अन्य) पर उच्च स्तरीय जांच के आदेश देंगे और कब तक? बाद में विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर उच्च शिक्षा मंत्री ने जांच का आश्वासन दिया।

महिला चोरों ने चुराई भैंस, पीड़ितों के साथ कर दी मारपीट

छतरपुर।

जिले के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटरा धामची में भैंस चोरी को लेकर विवाद हिंसक झड़प में बदल गया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि गांव की ही श्रीमती सुधा कुराडा और उनकी बहन नेहा कुरमाडा ने उनके घर के बाहर बने बेड़े से भैंस खोलकर ले जाने का प्रयास किया। जब परिवार के सदस्यों ने पीछा करके देवपुर चौराहे के पास उन्हें रोकने की कोशिश की तो पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से उन पर हमला बोल दिया। पीड़िता रामदेव कुशवाहा ने बताया कि इस हमले में उनके पति देशराज, पुत्र अरुण और पुत्री संध्या को गंभीर चोटें आई हैं। आरोपियों ने बीच-बचाव करने वालों को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की सूचना डायल 112 पर देने के बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनका इलाज कराया गया। पीड़ित पक्ष का आगे आरोप है कि आरोपियों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज मिटाने के इरादे से कैमरे और सोलर प्लेट को तोड़ दिया। साथ ही घर से नगदी और जेवरात भी चोरी कर लिए गए। परिवार के सदस्यों का कहना है कि ओरछा रोड थाने में शिकायत दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है।

खबर संक्षेप

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में बड़ी उपलब्धिडॉ. सुरेंद्र ने जटिल स्थिति में किया सफल पेसमेकर प्रत्यारोपण

रीवा । विंध्य क्षेत्र के प्रमुख चिकित्सा केंद्र सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में ह्मदय रोग विभाग के विशेषज्ञों ने एक बार फिर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। वरिष्ठ ह्मदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेंद्र कुमार तिवारी और उनकी टीम ने एक मरीज के शरीर में दुर्लभ स्थिति होने के बावजूद सफलतापूर्वक पेसमेकर इम्प्लांट कर नया जीवन दिया है। उल्लेखनीय है कि अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में आए इस चुनौतीपूर्ण प्रकरण में मरीज की जन्मजात शारीरिक बनावट सामान्य से अलग थी। सामान्यतः पेसमेकर की लीड दाईं ओर की नस से डाली जाती है, लेकिन मरीज में 'लेफ्ट सुपीरियर वेना कावा' होने के कारण यह प्रक्रिया तकनीकी रूप से अत्यंत जटिल थी। डॉ. तिवारी ने अत्याधुनिक कैथ लैब की मदद से इस जटिल एनाटॉमी को समझते हुए बेहद बारीकी से पेसमेकर प्रत्यारोपित किया।

कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से पहुंचे कार्यालय

रीवा। पर्यावरण की सुरक्षा तथा स्वयं की स्वास्थ्य रक्षा के उद्देश्य से सप्ताह में मंगलवार के दिन कमिश्नर बीएस जामोद की पहल पर अधिकारी और कर्मचारी साइकिल से कार्यालय पहुंच रहे हैं। यह क्रम लगातार बना हुआ है। सुमंगल साइकिल दिवस पर कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। कमिश्नर के साथ संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, खनिज अधिकारी बसंतराम, सहायक यंत्री संजीव कालरा अन्य संभागीय अधिकारी तथा कमिश्नर कार्यालय के कर्मचारी भी साइकिल से कार्यालय पहुंचे। जबकि संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी एवं उपायुक्त एलएल अहिरवार ई-ऑटो से कार्यालय पहुंचे।

भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट पद पर साधना का हुआ चयन

रीवा। साधना तिवारी पुत्री आनंद लाल तिवारी का चयन भारतीय नौसेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (आईटी - एग्जीक्यूटिव ब्रांच) के अंतर्गत सब-लेफ्टिनेंट पद के लिए हुआ है। नौसेना मुख्यालय, निदेशालय मानव संसाधन, योजना एवं भर्ती द्वारा जारी पत्र के अनुसार साधना तिवारी का चयन जनवरी 2026 कोर्स के लिए किया गया है। वे 02 मार्च 2026 को केरल स्थित भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला में प्रशिक्षण के लिए रिपोर्ट करेंगी। इस उपलब्धि पर परिवारजनों, रिश्तेदारों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है। साधना तिवारी की इस सफलता को युवाओं, विशेषकर बालिकाओं के लिए प्रेरणादायक बताया जा रहा है। साधना का कहना है कि कड़ी मेहनत,अनुशासन और आत्मविश्वास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

नई परिवहन नीति के विरोध में बसों की हड़ताल 2 मार्च से

कटनी। मप्र शासन की नई परिवहन नीति के विरोध में 2 मार्च 2026 से बसों की अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की गई है। इस संबंध में कटनी बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन द्वारा पत्रकारवार्ता आयोजित कर शासन के निर्णय का विरोध दर्ज कराया गया। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार द्वारा 24 दिसंबर 2025 को लागू किए गए नए नियमों में संशोधन करते हुए 29 जनवरी 2026 से निजी बसों को अनुबंधित किए जाने की व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत शासन द्वारा प्रदेश में गठित 7 निजी कंपनियों के साथ बस संचालकों को अनुबंध करना अनिवार्य किया गया है।

15 पुलिसकर्मियों के भरोसे चल रहा यातायात थाना, बस स्टैंड, अस्पताल और प्रमुख मार्गों पर प्रतिदिन लग रहा जाम

शहर जाम के झाम में फंसा, अव्यवस्थित यातायात से लोग परेशान

रीवा।

रीवा शहर में इन दिनों यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। शहरवासी रोजाना जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। हालत यह है कि सुबह से लेकर देर शाम तक प्रमुख मार्गों, बस स्टैंड, अस्पतालों और सरकारी-निजी कार्यालयों के आसपास लंबा जाम लगा रहता है। इससे आमजन को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।यह समस्या किसी एक दिन की नहीं बल्कि पिछले कई महीनों से लगातार बनी हुई है। शहर के अंदरूनी हिस्सों से लेकर बाईपास मार्ग तक यातायात का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। जाम में फंसे लोग प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को कोसते नजर आते हैं। वही लोगों का कहना है कि नगर के प्रमुख मार्गों पर दुकानदारों द्वारा सड़कों की पटरियों और नालियों पर अतिक्रमण कर लिया गया है। कई स्थानों पर अस्थायी दुकानें और ठेले सड़कों तक फैल गए हैं, जिससे मार्ग संकरा हो गया है,परिणामस्वरूप वाहनों की आवाजाही बाधित होती है और थोड़ी सी भी भीड़ बढ़ते ही जाम की स्थिति बन जाती है।विशेष रूप से बस स्टैंड क्षेत्र, प्रमुख अस्पतालों के आसपास और बाजार इलाकों में हालात सबसे अधिक खराब हैं। यहां पैदल चलने वालों को भी सुरक्षित रास्ता नहीं मिल पाता। स्थानीय राहगीरो का कहना है कि सड़कों के किनारे अव्यवस्थित तरीके से खड़ी गाड़ियां और आटो चालक कहीं भी वाहन रोककर सवारी उतारने-चढ़ाने की प्रवृत्ति इस समस्या को और गंभीर बना रही है. बाजार इलाकों में तो हालात और भी खराब हो जाते हैं, जहां पैदल चलने तक की जगह नहीं बचती. शहर की सड़कों पर पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस की तैनाती नहीं होने के कारण जाम को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है. कई बार एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं, जिससे मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना चुनौती बन जाता है.शहर की बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए अब यातायात प्रबंधन के लिए दीर्घकालिक योजना बनाना आवश्यक हो गया है। अन्यथा जाम का यह झाम शहर की रफ्तार को यूं ही थामे रखेगा। बैटरी ऑटो की बढ़ती संख्या से बढ़ा दबावशहर में तेजी से बढ़ रहे बैटरी ऑटो वाहनों की संख्या भी जाम का एक बड़ा कारण बन रही है। बिना निर्धारित स्टॉप और रूट के संचालित हो रहे कई ऑटो चालक मनमाने ढंग से सवारी बैठाने-उतारने के लिए बीच सड़क पर ही वाहन रोक देते हैं। इससे पीछे चल रहे वाहनों की लंबी कतार लग जाती है।यातायात नियमों की अनदेखी, अव्यवस्थित पार्किंग और ओवरलोडिंग जैसी समस्याएं स्थिति को और गंभीर बना रही हैं। अराजक ढंग से चलने वाले यातायात के कारण एक ओर जहां जाम लगता है, वहीं दूसरी ओर दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है।वही सड़क पार करते समय आम लोग सहमे-सहमे नजर आते हैं।बल की कमी से जूझ रहा यातायात थाना जब इस संबंध में यातायात थाना प्रभारी आनीमा शर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में पुलिस बल की कमी बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि केवल 15 पुलिसकर्मियों के भरोसे पूरे शहर की यातायात व्यवस्था संभाली जा रही है। सीमित संसाधनों और कम स्टाफ के कारण हर चौराहे और संवेदनशील स्थान पर पर्याप्त निगरानी संभव नहीं हो पा रही है।उन्होंने यह भी बताया कि समय-समय पर अभियान चलाकर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई की जाती है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए व्यापक प्रशासनिक सहयोग और जनभागीदारी आवश्यक है।यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए लगाए सिग्नल फेलशहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कॉलेज चौराहा, मार्तंड तिराहे सहित अन्य चौराहा पर लगे ट्रैफिक सिग्नल दम तोड़ चुके है, कहीं-कहीं के तो ट्रैफिक सिग्नल पूर्ण रूप से बंद हो गए हैं कुछ चौराहों के चल भी रहे हैं तो उसमें नंबरिंग गलत दिखाई देती है जिससे जाम की स्थिति और ज्यादा बनने लगती है और दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। मार्टन तिराहे पर लगा सिग्नल तो पूर्ण रूप से कई महीनो से बंद है, बीच-बीच में एक-दो दिन के लिए चालू भी होता है किंतु खराब हो जाने से फिर बंद पड़ जाता है।

सौ दिवस से अधिक सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें 15 मार्च तक शत-प्रतिशत निराकृत करें - कमिश्नर

सभी विभाग समय सीमा में आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करें

रीवा ।

कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में संपन्न साप्ताहिक संभागीय टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन, ई आफिस, संकल्प से समाधान एवं पेंशन भुगतान सहित अन्य विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। कमिश्नर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय सीमा में प्रस्तुत आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करें। यह ध्यान रखा जाए कि कोई भी प्रकरण समय सीमा से बाह्य न हो। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय में भी संभाग स्तरीय टीएल बैठक का आयोजन किया जाएगा ताकि संभाग स्तरीय प्रकरणों का जिला स्तर में मौके पर ही निराकरण हो सके। कमिश्नर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कमिश्नर ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में सौ दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का 15 मार्च तक अनिवार्यतः शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि इस अभियान में संभाग की प्रगति काफी अच्छी है। जो जिले निचले पायदान में हैं वह प्रगति कर ऊपर आएं और लंबित आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कान्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं में रीवा संभाग उच्च पायदान पर रहा है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि इसी प्रकार तत्परता से कार्य करते हुए संभाग को शीर्ष पर स्थापित रखें। उन्होंने ग्रामीण एकल नलजल योजना, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं वनाधिकार में प्रगति लाने के निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में कमिश्नर ने कहा कि 2026 को कृषि वर्ष के तौर पर मनाया जा रहा है। संयुक्त संचालक कृषि निचले अमले को अभी से लक्ष्य दें और खेती में स्थाई सुधार के प्रयास करें। उन्होंने फसल विविधीकरण के साथ ही जायद व प्राकृतिक खेती पर कार्य करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि कटाई के लिए हार्वेस्टर हेतु चेक प्वाइंट बनाए जाएं ताकि हार्वेस्टर के साथ आवश्यक उपकरण लगे हों जिससे नरवाई शेष न रहे। कृषि के साथ ही उद्यानिकी, मत्स्यपालन व पशुपालन की योजनाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन किए जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक गर्भवती महिला का रजिस्ट्रेशन हो तथा महिला बाल विकास विभाग के साथ समन्वय बनाकर ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ गर्भवती महिलाओं को मिले। कमिश्नर ने कहा कि रीवा संभाग ई आफिस के क्रियान्वयन में प्रदेश में शीर्ष स्थान पर है। प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में सभी जिले टाप पर रहें, इसके लिए सभी विभाग ई आफिस के माध्यम से ही फाइलों का मूवमेंट करें। कमिश्नर ने पेंशन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान पीपीओ जारी होने के बाद भी भुगतान न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भुगतान न करने वाले आहरण संवितरण अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाए। उन्होंने स्वरोजगार योजनाओं में जिन विभागीय अधिकारियों द्वारा बैंक में प्रकरण प्रस्तुत नहीं किए गए हैं उनके वेतन आहरण पर रोक लगाने की बात कही। कमिश्नर ने सभी विद्यालयों में 8 मार्च तक शौचालय निर्माण का कार्य पूर्ण करने तथा विद्यालयों की पुताई का कार्य कराने के निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त राजस्व एलएल अहिरवार सहित संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने 93 आवेदन पत्रों में की जनसुनवाई

रीवा ।

अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर राजेश कुमार सिन्हा और डिप्टी कलेक्टर सुरभि अग्रवाल ने आमजनता के 93 आवेदन पत्रों में जनसुनवाई की। अपर कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी आमजनता द्वारा दिए गए आवेदन पत्रों में निर्धारित समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जनसुनवाई में गजेन्द्र साकेत निवासी गुढ़ ने निर्धारित स्थल में प्रधानमंत्री आवास निर्माण का लाभ प्रदान करने के संबंध में आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने आवेदन पत्र में एसडीएम गुढ़ को जाँच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। सियावती साकेत निवासी बोदाबाग ने गरीबी रेखा में नाम जोड़ने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवेदन पत्र में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। नसीबुननिशा निवासी बिछिया ने स्थाई पट्टे की भूमि पर बने पुस्तैनी मकान को गिराने वालों पर कार्यवाही तथा गृहस्थी का सामान वापस दिलाने तथा अरूण कुमार त्रिपाठी निवासी उर्रहट ने नाली निर्माण कराने लिए आवेदन दिया दिया। अपर कलेक्टर ने आवश्यक कार्यवाही के लिए नगर निगम की ओर आवेदन पत्रों को प्रेषित किया। राजेन्द्र पटेल निवासी ग्राम संसारपुर ने जमीन का वारिसाना नामांतरण करने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार मनगवां को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में इसाफ स्माल फाइनेंस बैंक में खाताधारक जगन्नाथ वर्मा निवासी निपनिया ने आवेदन दिया कि बैंक द्वारा उनकी अनुमति के बिना अटल पेंशन योजना की सुविधा चालू कर राशि काट ली है जिसे वापस दिलाया जाए। अपर कलेक्टर ने एलडीएम को आवेदन की जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए। बवन प्रसाद खटिक निवासी गाढ़ा ने खसरे के अनुसार नक्शे में बटांक नम्बर दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार जवा को आवेदन पत्र में कार्यवाही के निर्देश दिए। विपिन मिश्रा उप सरपंच ग्राम पंचायत उमरी ने ग्राम पंचायत में सचिव द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और महिलाओं के साथ किए गए दुर्व्यवहार की जाँच के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने आवश्यक कार्यवाही के लिए जिला पंचायत की ओर आवेदन पत्र प्रेषित किया। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जोड़ने, आवासीय पट्टा दिलाने सहित अन्य आवेदनों पर सुनवाई की गई। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रोजगार मेला टी.आर.एस. कॉलेज में आज

रीवा।

युवा संगम कार्यक्रम के तहत टी.आर.एस. कॉलेज रीवा में 25 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मेला के आयोजन के लिये विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। रोजगार मेले में 44 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 7000 रुपए से 35 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में ईगल हाईटेक इंडस्ट्रियल कार्पोरेट प्रा. लि. औरंगाबाद, सिटी कार प्रा.लि. सतना, विन्ध्या टेलीलिंक लिमिटेड चोरहटा रीवा, आमधनी आपोलो टायर्स लि. बड़ोदरा गुजरात, आमधनी बजाज आटो लिमि. चाकन/औरंगाबाद, डी एण्ड एच सेचरान, बिरला केबिल प्रा. लि. रीवा, डार्लिंग पम्प प्रा. लि. रीवा, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार, श्रीराम पिस्टन एण्ड रिंग लि. पथरेडी राजस्थान, एमआरएफ लिमिटेड दहज, आपोलो टायर्स लि. बड़ोदा गुजरात, भारतीय जीवन बीमा निगम रीवा, लेन्सकार्ट इंडिया बिलहरी राजस्थान, याजाकी इंडिया लि. हरियाणा, विनप्रेज इन्फो मीडिया प्रा. लि. लखनऊ, एनईसीओ कंपनी नागपुर, अग्रोफैब मशीनरीज नागपुर, मर्दसन आटोमोटिव लाईटिंग इंडिया प्रा. लि. अहमदाबाद गुजरात, भगवती प्रोडक्टस लि. पुणे महाराष्ट्र, जिंदल पाइप्स गाजियाबाद, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, बजाज लाईफ इंश्योरेन्स प्रा. लि. रीवा, सीआईआई एमसीसी इंदौर, गोकलदास एक्सपोर्टस लि. बेंगलुरू, खन्ना पॉलीविअर प्रा. लि. रीवा, ओएसआरएम टेक पैक प्रा.लि. चोरहटा रीवा, केन्द्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सिपेट) भोपाल, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड रीवा, जय भारत मारूती अहमदाबाद गुजरात, ऑटोलाइन प्रा. लि. अहमदाबाद गुजरात, रायकैम आटो प्रा.लि. अहमदाबाद गुजरात, टाटा मोटर आटो मोबाइल कंपनी अहमदाबाद गुजरात, फिएट इंडिया आटो मोबाइल्स प्रा. लि. रंजनगांव पुणे, पीजी इलेक्ट्रो प्लांट इंडिया लि. पुणे, एनआरबी बायरिंग लि. महाराष्ट्र, हायर अप्लीएन्सेस पुणे, जेके टायर्स हरियाणा, प्राकृतशील बॉयोटेक प्रा.लि. सवेरा होटल के पास सतना, उन्नति एग्रोटेक रामवन सज्जनपुर सतना तथा जेएबीआईएल सर्किट इंडिया प्रा. लि. रंजनगांव, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा तथा अलर्ट एसजीएस प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़ की कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

वर्दी पर दागः एनडीपीएस कार्रवाई में जब्त ज्वेलरी गायब करने पर टीआई सहित तीन निलंबित

जिले के मनगवां थाने का मामला, आईजी के निर्देश पर हुई कार्रवाई

रीवा।

जिले के मनगवां थाने में पदस्थ थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को एनडीपीएस प्रकरण में जब्त की गई ज्वेलरी पर लापरवाही और अनियमितता बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। मामले में विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं। कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत के निर्देश पर की गई है। जानकारी के अनुसार 11 फरवरी को मनगवां पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत नशीली सिरप की अवैध बिक्री के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी पूर्व में लूट के मामले में भी फरार बताया गया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से सोने की चेन और अंगूठी उतरवाकर थाने में रख ली गई थी। बताया जा रहा है कि उक्त ज्वेलरी एनडीपीएस प्रकरण का हिस्सा नहीं थी। आरोप है कि आरोपियों के परिजन जब ज्वेलरी लेने थाने पहुंचे तो उन्हें रसीद लाने के नाम पर टाल दिया गया। कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी सामान वापस नहीं किया गया। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान से की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने एक प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी को जांच सौंपी। जांच के दौरान पाया गया कि थाना प्रभारी गजेन्द्र सिंह धाकड़ ने ज्वेलरी आरक्षक विजय यादव को सौंपी थी, जिसने उसे आरक्षक बृजकिशोर के पास रखवा दिया। जांच में यह भी सामने आया कि ज्वेलरी को थाने में विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत दर्ज नहीं किया गया था और उसे अनधिकृत रूप से रखा गया था,प्रथम दृष्टया गंभीर लापरवाही पाए जाने पर थाना प्रभारी गजेन्द्र सिंह धाकड़, आरक्षक विजय यादव और आरक्षक बृजकिशोर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पुलिस लाइन अटैच कर दिया गया है। तीनों के विरुद्ध विभागीय जांच प्रस्तावित की गई है। वही पूरे मामले में आईजी गौरव राजपूत ने कहा कि जब्त की गई ज्वेलरी एनडीपीएस प्रकरण का हिस्सा नहीं थी, इसके बावजूद उसे थाने में अवैध रूप से रखा गया। जांच के बाद महिला को विधिवत लिखापढ़ी कर ज्वेलरी वापस कर दी गई है।पूर्व में भी लग चुके हैं आरोपसूत्रों के अनुसार निलंबित थाना प्रभारी पर पूर्व में भी कई गंभीर आरोप लग चुके हैं और पूर्व में भी उनके विरुद्ध कार्रवाई की स्थिति बनी थी। हालांकि इस बार विभागीय जांच में अनियमितता प्रमाणित होने के बाद सख्त कदम उठाया गया है। आईजी ने स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि किसी भी थाना प्रभारी या कर्मचारी द्वारा इस प्रकार की अनियमितता की जाती है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना का अंतिम दिवस गरिमामय वातावरण में संपन्न

रीवा।

शासकीय स्नातक महाविद्यालय गुढ़, के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन 23 फरवरी 2026 को उत्साह, अनुशासन एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, रीवा–शहडोल संभाग रहे। मुख्य अतिथि के आगमन पर एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। प्राचार्य ने अपने स्वागत उद्बोधन में मुख्य अतिथि डॉ. आर.पी. सिंह की प्रशासनिक क्षमता, शैक्षणिक नेतृत्व एवं शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत कु. शालिनी मिश्रा ने नृत्य प्रस्तुति दी, कु. आभा शुक्ला ने प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया तथा कु. मानसी त्रिपाठी ने मधुर गायन से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध किया। मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरक संबोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, सेवा भावना, अनुशासन एवं व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने "क्षितिज, जल, पावक, गगन, समीरा" के माध्यम से पंचतत्वों की महत्ता समझाते हुए पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन पर विशेष बल दिया तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समापन अवसर पर स्वयंसेवी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक श्रीमती रेखा मिश्रा सहित समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। डॉ. संदीप कपूर, डॉ. भारत भूषण दुबे, रेखा पयासी, डॉ. रामेश्वर, डॉ. अमित, डॉ. अरुण सोनी एवं श्रीमती दीपा कोल की सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय रही। मंच संचालन डॉ. व्यास नारायण मिश्रा ने किया तथा कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती पूनम पटेल का विशेष योगदान रहा। आभार प्रदर्शन एवं राष्ट्रगान के साथ सात दिवसीय विशेष शिविर का विधिवत समापन हुआ।